© आशा जैन

पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी गंगा का जब स्वर्ग से अवतरण हुआ था उनके साथ अवतरित हुए अनेक जीवों में से गांगेय डॉल्फिन भी एक थी। ये भी मान्यता है कि गांगेय डॉल्फिन देवी गंगा की वाहन है।

पुराणों में
गंगा के जीव

गांगेय डॉल्फिन

गंगा में रहने वाली प्रजाति

गंगा नदी में रहने वाली गांगेय डॉल्फिन को भारत में सन् 2004 में राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया है। सम्पूर्ण विश्व में पाई जाने वाली ताजे पानी की चार डॉल्फिन की प्रजातियों में से एक गांगेय डॉल्फिन भारतीय उपमहाद्वीप में विशेष रूप से पाई जाती हैं। नदी में इसकी मौजूदगी एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र की परिचायक है।

पारिस्थितिकी तंत्र में भूमिका

एक उच्च कोटि की शिकारी होने के कारण डॉल्फिन लगातार भ्रमण करती रहती है, ये पोषक तत्वों तथा ऊर्जा की संवाहक है जिसके कारण सम्पूर्ण जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के मध्य आपस में सामंजस्य बना रहता है।

संकट के कारण

आवासों का आपस का सम्बंध समाप्त होना, शिकार की कमी होना।

गंगा जैवविविधता संरक्षण

GACMC
Ganga Aqualife Conservation Monitoring Centre

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

नमामि गंगे